प्यारी पूजा

“प्रेषक :राजा गर्ग दोस्तों आज जो किस्सा आपको सुनाने जा रहा हूँ वो उस रात का है जब मैं समझ नहीं पाया कि वो सब हो कैसे गया। आज जब मैं उस रात के बारे में सोचता हूँ तो उलझन में पड़ जाता हूँ। दरअसल बात तब की है जब मैंने कॉलेज में दाखिला लिया […] ...”

Story By: (coolrajaforever)
Posted: शनिवार, मार्च 17th, 2007
Categories: हिंदी सेक्स कहानियाँ
Online version: प्यारी पूजा

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

प्यारी पूजा

प्रेषक :राजा गर्ग

दोस्तों आज जो किस्सा आपको सुनाने जा रहा हूँ वो उस रात का है जब मैं समझ नहीं पाया कि वो सब हो कैसे गया। आज जब मैं उस रात के बारे में सोचता हूँ तो उलझन में पड़ जाता हूँ। दरअसल बात तब की है जब मैंने कॉलेज में दाखिला लिया था। तभी मेरी ममेरी बहन की शादी पड़ गई।

हम सब शादी में गए हुए थे और सगाई वाले दिन जब हम लड़के वालों के आने का इंतज़ार कर रहे थे। तभी उनकी गाड़ियाँ दरवाज़े पर आ कर रुकी और हम जीजाजी के साथ अन्दर जाने लगे। तभी पीछे मेरी मामी ने आवाज़ लगाई- राजन, पूजा अकेले सामान ला रही है, उसके साथ सामान उठा लाओ !

मैं गया और उसको देखा। शकल से एक औसत लड़की जिसकी फिगर कमाल की, साथ ही मम्मे भी इतने बड़े और उसके ब्लाऊज़ से झांकती वो जवानी, उसके वो गुलाबी होंठ !मैं तो बस उसे देखता ही रह गया। वो मेरे जीजाजी की बहन थी।

खैर मैं उसके साथ अन्दर तक गया और मैंने देखा कि वो भी मुझे नोटिस कर रही थी। हमारी कई बार आखें मिली और एक खिंचाव सा पैदा हो गया हम दोनों के बीच में। हमने साथ में खूब खुशियाँ मनाई और खूब नाचे गाये।

जाते वक़्त मैंने हिम्मत करके पूजा का नंबर मांग लिया और उससे बातें करने लगा। शादी एक महीने बाद थी। तब तक मैंने पूजा को सेट कर लिया था। अब वो शायद मुझे पसंद करने लगी थी।

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

फिर शादी के दिन वो उस गुलाबी साड़ी में क्या लग रही थी, शादी में शायद ही कोई ऐसा मर्द हो जिसने उसे मुड़-2 कर न देखा हो।

फिर जब डांस करने की बारी आई तो मैंने पूजा के साथ बहुत देर तक डांस किया। डांस करते वक़्त कई बार मेरे हाथ उसके मम्मों पर छुए और वो सब समझ कर मुस्कुराने लगी लेकिन उस वक़्त तक मेरे मन में कोई खास पाप नहीं जागा था अगर वो खाना खाते वक़्त मुझे आँख मार के अलग आने के लिए नहीं कहती। उसने मुझे अलग बुलाया और बोली- मेरा यहाँ मन नहीं लग रहा है, कुछ देर बाहर घूम कर आएँ ?

मैंने कहा- चलो !

मगर मैं एकदम से नहीं निकल सकता था इसलिए मौका पाकर मैंने अपनी गाड़ी में पहुँच कर उसे फ़ोन मिला दिया।

वो आ गई और हम गाड़ी में बैठ कर निकल लिए। सर्दी की रात थी और बर्फीली ठण्ड पड़ रही थी और उस बंदी(लड़की) को घूमना था। मेरी समझ में उसके सारे सिग्नल आ तो रहे थे मगर मन में यह डर था कि हम लड़की वाले थे, कोई ऊँच-नीच हो गई तो बदनामी हो जाएगी।

फिर हम मुख्य सड़क पर निकल आये और पूजा मेरे से बोली- इतनी देर तुम अन्दर बोर नहीं हो रहे थे क्या ?

मैंने कहा- हाँ, हो तो रहा था मगर क्या कर सकते हैं, लड़की वाले हैं, लड़के वाले होते तो भाई की सालियों को ही छेड़ लेते !

वो बोली- तो मेरे साथ अन्दर इतनी देर से क्या कर रहे थे ? कभी यहाँ हाथ, कभी वहाँ ?

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

मैं झेंप गया और वो बोली- मैं सब समझती हूँ !

मैंने गाड़ी अँधेरे एक साइड में लगा कर उससे कहा- समझती हो तो क्या ख्याल है ?

वो बोली- मैं इतनी रात को तुम्हारे साथ सिर्फ घूमने थोड़े ही आई हूँ !

मैंने उसकी तरफ ध्यान से देखा और अचानक ही हम एक दूसरे की तरफ खिंचते चले गए और हमारे होंठ एक दूसरे से मिल गए। मैं उसके होंठों का रस पीने को बेताब था जैसे कि मेरी तमन्ना पूरी होने को थी।

बहुत देर तक उसके होंठ चूसने के बाद मैंने उसके ब्लाऊज़ के ऊपर से उसके मम्मों को सहलाना चालू किया। वो भी थोड़ी ना नुकुर के बाद मेरा साथ देने लगी। फिर मैंने अपने मुँह को उसकी छाती से लगाया और उसके जिस्म की प्यारी सी खुशबू लेने लगा। साथ ही उसकी भी सिसकियाँ चालू हो गई। मैं इस बात का पूरा ख्याल भी रख रहा था कि किसी पल पूजा को ऐसा न लगे कि मैं उसके साथ ज़बरदस्ती कर रहा हूँ।

फिर मैंने उसके ब्लाऊज़ के अन्दर हाथ डाला और ऐसा लगा जैसे किसी भट्टी के अन्दर हाथ दे दिया हो। उसका पूरा जिस्म जल रहा था। मैंने बिना मौका गंवाए बिना उसका ब्लाऊज़ ऊपर कर दिया और उसके मम्मो को सहला के उसके चुम्बन लेने लगा। कुछ देर बाद जब वो पूरी तरह मदहोश हो गई तब मैंने उसकी साड़ी ऊपर करनी चालू की। गाडी में जगह कम होने के कारण हमें थोड़ी परेशानी हो रही थी।

फिर मैंने उसकी चूत में हाथ डाला और पाया कि उसकी चूत बहुत पानी छोड़ चुकी थी और एकदम मुलायम और गरम थी। फिर उसने अपने हाथों से मेरी पेंट की जिप खोली और मेरा लंड को सहलाने लगी जोकि अब तक मूसल बन गया था। उसने मेरे लिंग की चुसाई करनी चालू की और मैं उसके बाकी कपड़े उतारने लगा। साथ ही मैंने उसके उन नरम चूचों का भी

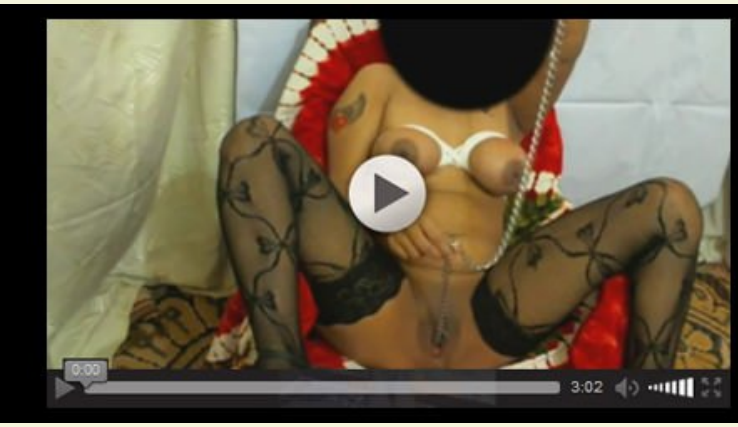

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

भरपूर आनंद लिया। हर तरह से मरोड़ के, चूस के दांतों से चबा के मैंने उन पर अपनी छाप छोड़ दी।

अब मैं जानता था कि देर करना सही नहीं है। पहले एक बार अपनी छाप लड़की के अन्दर छोड़ दो, फिर बाकी काम तो बाद में होते रहेंगे।

मैंने उसकी सीट पीछे को लिटा दी और उसकी पैंटी को साइड कर के अपने लंड से उसका छेद सहलाने लगा।

और वो आहें भरते हुए बोली- फक्क मी नाओ !

और मैंने आहिस्ता से उसकी चूत में अपना लंड घुसा दिया। और वो एक प्यारी सी चीख के साथ पीछे हो गई।

मैंने अपना लंड बाहर निकल कर पूरी जान के साथ अन्दर तक डाल दिया मगर इस बार मुझे भी दर्द हुआ क्योंकि शायद उसकी झिल्ली फट गई थी इस बार और वो दर्द से छटपटा उठी।

मैंने फ़ौरन उसके होठों पर अपने होंठ रख दिए और उसे अपने से लिपटा लिया और उसके तुरंत बाद मैंने कुछ कागज़ सीट के ऊपर रख दिए ताकि अगर खून गिरे भी तो सीट गन्दी न हो।

फिर मैंने उससे पूछा- आगे बढ़ें ?

उसने प्यार से मेरी तरफ देखा और बोली- थोड़ी देर और, बहुत मज़ा आ रहा है।

मेरे लिए तो अच्छी बात थी और मैंने उसकी चूत में दुबारा अपना लंड दिया और 5-6 धक्कों के बाद बोली- अब बस !

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

मेरा मन तो नहीं था, मुझे मानना पड़ा, रिश्तेदारी का सवाल था। और उसकी चूत में से अपना लंड निकाल कर साफ़ करने लगा।

वो बोली- अब मेरी चूत को थोड़ी देर चूसो !

मैंने उसकी चूत फिर एक कागज़ से साफ़ की और उसे चूसना चालू किया। फिर थोड़ी देर बाद मेरा ध्यान टाइम पर गया और मैंने उससे कहा- अब वापस चलना चाहिए !

वो बोली- ठीक है !

मैंने उसे गाड़ी से बाहर एक चक्कर मारने की सलाह दी ताकि उसकी चाल में कुछ सुधार आ जाये जोकि पहली बार चुदने के बाद बिगड़ जाती है।

वापस आकर हम दोनों चुपचाप जश्न में शामिल हो गए।

उसके बाद पूजा से मेरी लगभग रोज़ बातें होती थी और मेरे साथ फ़ोन पर सब तरह की बातें करती थी। वो हंस-2 कर बताती थी कि मैंने कल रात तुम्हारे नाम से मुठ्ठी मारी और बोलती कि उस दिन का काम पूरा करने कब आओगे।

फिर कुछ दिन बाद मैं अपने जीजाजी के घर किसी काम से गया और मुझे रात को वहीं रुकना था। घर पर सिर्फ जीजाजी, दीदी, पूजा और उसकी मम्मी थी।

अचानक ही रात को जीजाजी को फ़ोन आया कि उनके दोस्त की मम्मी गुज़र गई है तो उन्हें जाना पड़ा। मेरी दीदी भी साथ चली गई। दीदी की सास तो नौ बजते ही सो जाती थी। मुझे मौका मिल गया। हमने कंप्यूटर में फिल्म चलाई और देखने लगे। सर्दी थी और वो एक बड़ा सा कम्बल लाकर मेरे बगल में ही बैठ गई। पिक्चर का नाम “जूली” था, जिसमें नेहा धूपिया ने क्या दृश्य दिए थे। पूजा मेरी बगल में बैठी थी और जब पहला

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

चुम्बन दृश्य आया तो मुझे शादी की वो रात ध्यान आ गई।

फिर अचानक मेरे घर से फ़ोन और मैं बाहर गया और वापस आकर कम्बल में घुस गया तो मैंने पाया कि पूजा ने अपनी जींस उतार रखी थी और वो सिर्फ पेंटी में रजाई के अन्दर थी। मैं अपना आपा खो रहा था और पूजा मुझे उकसाए जा रही थी। थोड़ी देर बाद एक दृश्य में डर लगने के बहाने पूजा मेरे से एकदम सट गई और मैं अपने आपको रोक नहीं पाया और उसकी टांगों को सहलाना चालू कर दिया। फिर मैंने अपना एक हाथ टॉप के अन्दर डाल दिया और दूसरे हाथ से उसकी चूत मसलता रहा। जब तक मूवी खत्म हुई, मैंने पूजा के जिस्म को मसल-मसल कर लाल कर दिया था और उसकी सारी लिपस्टिक खा चुका था।

जैसे ही पिक्चर ख़त्म हुई पूजा ने उठ कर कंप्यूटर बंद किया, दरवाज़ा बंद किया और आकर मेरी रजाई में फिर घुस गई।

मैंने कहा- यहाँ कुछ नहीं करते !

तो वो बोली- कोई फर्क नहीं पड़ता, मम्मी तो अब सो गई, वो सुबह ही उठेगी।

यह कह कर मेरा हाथ अपने मम्मों पर सहलाने लगी। असल वो मेरे सहलाने से गर्म हो चुकी थी और अब बस चुदना चाहती थी।

तो मैंने उसे बिस्तर पर लिटाया, उसकी गांड के नीचे एक तकिया रखा और सीधा उसकी चूत में अपना लंड डाल दिया और सोचा कि कुछ धक्कों के बाद यह मान जाएगी मगर मुझे क्या मालूम था कि उसने अपनी चूत में गाजर और मूली दे-दे कर अपनी चूत को चुदक्कड़ बना दिया था।

मैं उसे धक्के मारता रहा और वो मज़े लेती रही, हर दस मिनट के ब्रेक के बाद फिर चालू हो जाती।

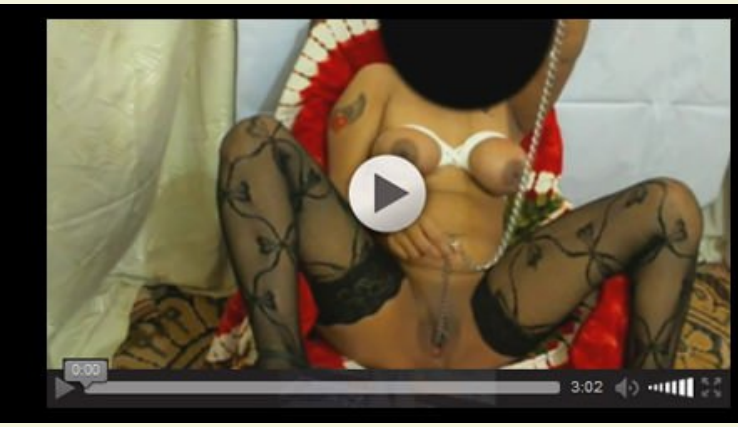

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

फिर थोड़ी देर बाद मैंने सोचा- यह ऐसे नहीं मानेगी, मैंने उसे उसकी गांड मारने के लिए राज़ी कर लिया।वो नादान मान गई और बोली- ठीक है ! यह भी करके देख लेते हैं !

मैंने कहा- ठीक है, मगर ज्यादा शोर मत मचाना, तुम्हारी मम्मी जाग जाएगी।

वो बोली- ठीक है !

मैंने पहले उसकी गांड में अपनी दो उँगलियाँ डाल के देखा कि उसका छेद बहुत ढीला था। मैंने उसे उसका छेद टाईट करने के लिए कहा और अपना लंड उसकी गांड के अन्दर डालना चालू किया आहिस्ता-2 !

वो सिसकियाँ भरने लगी और और शायद उसे दर्द भी हो रहा था। फिर मैंने अपना लंड बाहर निकाला और एक ही झटके में अन्दर तक डाल दिया वो बड़ी तेज़ी से चीखी और मैंने उसका मुंह अपने हाथों से बंद कर दिया। मैंने कई धक्के मारे उसकी गांड में, जिससे उसे बहुत दर्द हुआ पर मैंने सोचा कि उसे सबक तो सिखाना ही पड़ेगा।

थोड़ी देर बाद मैंने अपना लंड उसकी गांड से निकला और उसे बिस्तर पर सीधा लिटा दिया और उसकी एक टांग उठा के अपने कंधे पे रखी और उसकी चूत में अपना लंड बाड़ दिया और बहुत देर तक उसको मैंने चोद। उस बंदी ने भी हार नहीं मानी और हद से ज्यादा दर्द के बाद भी वो मेरा साथ देती रही। शायद इसी को हवस कहते हैं।

मैंने फिर उसे घोड़ी बनाया और फ़िर उसकी चूत में अपना लंड बाड़ दिया। अब वो निढाल हो चुकी थी और शायद इससे ज्यादा झेल नहीं पाती, तो मैंने उसे छोड़ दिया और उसके बगल में लेट कर उसके चुम्बन लेने लगा। अब मैं भी थक रहा था और सोना चाहता था और हम दोनों सोने चले गए।

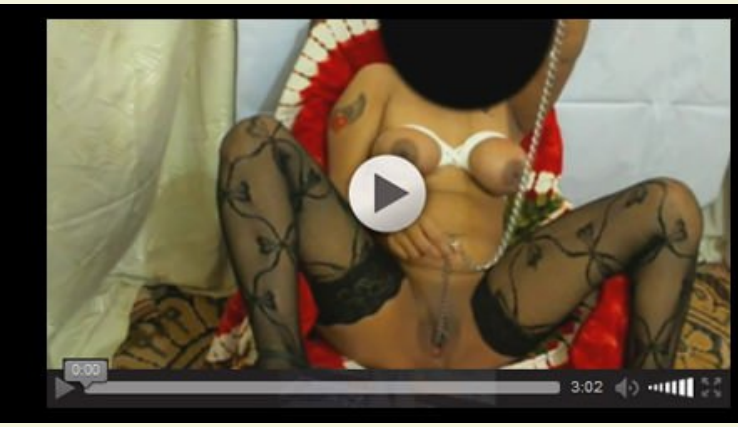

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

Other stories you may be interested in

पड़ोसन देसी गर्ल को अन्तर्वासना सेक्स स्टोरी पढ़वाई

मेरा नाम आदित्य है। मैं आगरा से हूँ। मेरे घर के पास एक लड़की रहती थी.. उसका नाम काजल है, मैं उसको रोज़ देखता था, कभी कभार उसे मिस काल भी करता था, मेरे पास उसका फ़ोन नम्बर था। एक […]
Full Story >>>

मुमताज की मुकम्मल चुदाई-2

संजय सिंह जैसे ही वो दोनों गईं, मुमताज आकर मेरे से चिपक गई और मुझे चूमने लगी। मैंने उसको बोला- मुमताज, पहले दरवाजा तो बंद कर दो, नहीं तो कोई देख लेगा। वो गई और जल्दी से दरवाज़ा बंद किया […]
Full Story >>>

जूही और आरोही की चूत की खुजली-22

पिंकी सेन हैलो दोस्तो, मज़ा आ रहा है न.. आरोही और जूही की चुदाई में.. आपकी राय के अनुसार ही मैंने बड़े आराम से चुदाई पेश की है और आगे के कुछ और भागों में भी यह चुदाई चालू रहेगी। […]
Full Story >>>

मैडम एक्स और मैं-4

इमरान ओवैश स्नान-सम्भोग के पूर्ण होने के उपरान्त हमने कायदे से स्नान किया और बाहर आ गये। काफी थकान हो चुकी थी, सो कुछ पल के आराम के बाद हमने खाना खाया और टीवी देखने लगे। टीवी देखते देखते सर […]
Full Story >>>

मेरी चालू बीवी-16

इमरान और चारों ओर काफी परदे लगे थे… मैं दो पर्दों के बीच खुद को छिपाकर… नीचे को बैठ गया… अब कोई आसानी से मुझे नहीं देख सकता था… मैंने अंदर की ओर देखा… अंदर दो तीन जमीन पर गद्दे […]
Full Story >>>

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

Other sites in IPE

Antarvasna Gay Videos

Welcome to the world of gay porn where you will mostly find Indian gay guys enjoying each other's bodies either openly for money or behind their family's back for fun. Here you will find guys sucking dicks and fucking asses. Meowing with pain mixed with pleasures which will make you jerk you own dick. Their cums will make you cum.

Urdu Sex Videos

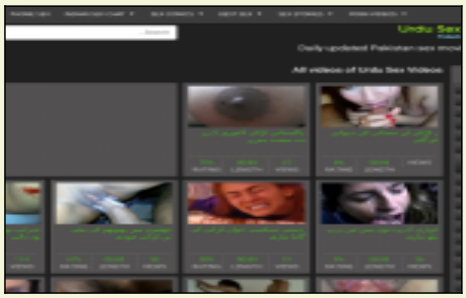

Daily updated Pakistani sex movies and sex videos.

Savitha Bhabhi

Kirtu.com is the only website in the world with authentic and original adult Indian toons. It started with the very popular Savita Bhabhi who became a worldwide sensation in just a few short months. Visit the website and read the first 18 episodes of Savita Bhabhi for free.

Savita Bhabhi Movie

Savita Bhabhi Movie is India's first ever animated movie. It takes us a on a journey thru time, a lot of super hot sex scenes and Savita Bhabhi's mission to bring down a corrupt minister planning to put internet censorship on the people.

Suck Sex

Suck Sex is the Biggest & most complete Indian Sex Magazine for Indian Sex stories, porn videos and sex photos. You will find the real desi actions in our Indian tubes, lusty stories are for your entertainment and high resolution pictures for the near vision of the sex action. Watch out for desi girls, aunties, scandals and more and IT IS ABOLUTELY FREE!

Desi Tales

Indian Sex Stories, Erotic Stories from India.

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire